LIC Presents

Jiyo Dil Se AWARDS III

जीत गए दिल से जीने वाले

94.3 माय एफएम लिस्नर के प्यार की बदौलत 17 शहरों में सबका हरदिल अजीज बन गया है। 2006 में जयपुर में शुरू हुआ सफर लगातार आगे बढ़ता जा रहा है। आपके सामने हैं जियो दिल से अवॉर्ड्स -3 की 9 कैटेगरी के 20 विनर। माय एफ एम ने देश भर से ऐसे लोगों को चुना जो दिल से दूसरों के लिए जी रहे हैं और समाज का नई दिशा दे रहे हैं। अहमदाबाद में हुए समारोह में विनर्स को अवॉर्ड दिए गए।

हेल्थ एंड सेनिटेशन

मनोज पटेल
इंदौर

इंदौर के मनोज पटेल पिछले 5 साल से क्लिफ्ट लिप्स बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए काम कर रहे हैं। ये ऐसे बच्चे हैं जिनके लिप्स बर्थ से ही कटे होते हैं। मनोज सर्जरी कैंपों का आयोजन करवा करीब 5000 बच्चों का इलाज करा चुके हैं। वो क्लिफ्ट लिप्स के बारे में लोगों के लिए अवेयरनेस कैंप भी लगाते रहते हैं।

अशोक नायक
इंदौर

इंदौर के अशोक नायक देश का एकलौता ब्लड कॉल सेंटर चला रहे हैं। सुबह 6 से रात एक बजे तक सिर्फ एक कॉल पर वह जरूरतमंदों तक ब्लड पहुंचा देते हैं। अशोक का जज्बा देखकर 13 हजार ब्लड डोनर्स उनसे जुड़ चुके हैं। अशोक इस काम के लिए कोई पैसा नहीं लेते और घर चलाने के लिए टेलरिंग का काम करते हैं।

स्पोर्ट्स

गौरव मुछाल
इंदौर

इंदौर के गौरव मुछाल बचपन से सुन नहीं सकते थे। गौरव को बैडमिंटन का शौक था। उन्होंने अपने स्किल्स निखारे और आज वो डेफ्लिम्पिक्स में इंडिया को इंटरनेशनल लेवल पर रीप्रेजेंट कर रहे हैं। गौरव उन लोगों के लिए जीती जागती मिसाल हैं जो छोटी छोटी परेशानियों के सामने घुटने टेक देते हैं।

मनीष पांडे
रायपुर

रायपुर के मनीष पांडे ने 2011 में एक हादसे में अपना एक पैर गवां दिया था, लेकिन इस हादसे के बाद वो और मजबूत होकर बाहर निकले और ट्यूनीशिया में हुए पैराओलिम्पिक्स में एथलेटिक्स में दो मेडल जीतकर उन्होंने न सिर्फ देश का नाम रौशन किया बल्कि आज मनीष कई लोगों के लिए मिसाल बन चुके हैं।

सोशल इकोनोमिक वेल्फेयर

डॉ. विवेक अग्रवाल
जयपुर

जयपुर के डॉक्टर विवेक अग्रवाल का मकसद है कि अन्न का एक भी दाना वेस्ट न हो। जयपुर में पार्टियों में सरप्लस फूड वेस्टेज की समस्या थी। इस भोजन को भूखे लोगों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने अन्नक्षेता ऑर्गेनाइजेशन बनाई। ऑर्गेनाइजेशन के सदस्य सालों से शादी पार्टियों का बचा खाना कलेक्ट करके भूखों का पेट भर रहे हैं।

माधुरी मिश्रा
भोपाल

माधुरी मिश्रा 25 साल से स्लम एरियाज में महिलाओं और बच्चों के लिए काम कर रही हैं। बच्चों का नशा छुड़ाना और विडोज की रीमैरिज जैसे कई नेक काम उन्होंने किए हैं। 2005 में उन्होंने अपना घर नाम से ओल्ड एज होम शुरू किया, जहां 25 बुजुर्ग रह रहे हैं। उनके खाने-पीने, मेडिसिन व अन्य जरूरतों का इंतजाम वह खुद करती हैं।

चाइल्ड केयर एंड डेवलपमेंट

मनीषा शर्मा
रायपुर

रायपुर की मनीषा शर्मा ने अपने जैसे कुछ लोगों के साथ मिलकर 1976 में संकल्प संस्कृति समिति बनाई थी। इनका मेन मकसद सोसायटी में बदलाव लाने के लिए काम करना और पिछड़े तबके को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। विकट हालात में मनीषा शर्मा पिछड़े लोगों की सोशल और हेल्थ कंडीशन को सुधारने के लिए सबसे ज्यादा जोर दे रही हैं।

पंचशील जैन
जयपुर

जयपुर के पंचशील जैन को बच्चों से इतना प्यार है कि उनकी सेवा और विकास की खातिर उन्होंने 50 साल की उम्र में वीआरएस ले ली। पंचशील बाल संबल नाम की एनजीओ चलाते हैं, जहां गरीब-अनाथ बच्चों की एजुकेशन, हेल्थ और बेसिक नीड्स का खास ख्याल रखा जाता है। पंचशील भारत को कुपोषण मुक्त देश बनाना चाहते हैं।

एजुकेशन/चाइल्ड केयर

संदेश मून
नागपुर

नागपुर के संदेश मून संदेश सेव करियर फाउंडेशन नाम से ट्यूशन क्लासेज चलाते हैं। यहां सिर्फ गरीब और अनाथ बच्चों को इंग्लिश सिखाई जाती है वो भी बिल्कुल मुफ्त। संदेश नौकरी छोड़कर पूरी तरह से इसी काम में लग गए हैं और चाइल्ड लेबर को देश से खत्म करना चाहते हैं। संदेश की कोशिशों से कचरा बीनने वाले कई बच्चे न सिर्फ फर्राटेदार इंग्लिश बोल रहे हैं।

मनिंदरजीत कौर
अमृतसर

अमृतसर की मनिंदरजीत कौर ने अपनी जिंदगी अंडरप्रिविलिज्ड चिल्ड्रन के नाम कर दी है। उन्होंने "आगोश" सोसायटी बनाई है, जिसका मकसद गरीब बच्चों को एजुकेट करना है। मिसेज कौर ने एक ऐसी बच्ची को गोद लिया है, जिसके दिल में छेद है और वो उसका इलाज करा रही हैं। मनिंदरजीत बुटीक की कमाई का सारा पैसा अनाथ-गरीब बच्चों पर खर्च कर देती हैं।

पुखराज सोनी
अहमदाबाद

विज्युअली चैलेंज्ड लोगों को न तो बुक्स और न ही टेक्निकल सपोर्ट मिल पाता है और वो समाज की मुख्य धारा से कट जाते हैं। सोनी पुखराज ने ब्लाइंड पीपल एसोसिएशन बनाई है जहां ऑडियो बुक्स और ब्रेल के जरिये तकनीकी शिक्षा दी जाती है। सोनी 25 विज्युअली चैलेंज्ड लोगों को बैंकों में प्लेस करा चुके हैं और उन्होंने 5000 ऑडियो बुक्स कलेक्ट कर ली हैं।

स्पेशल कैटेगरी

वरुण कपूर
इंदौर

सायबर क्राइम की चुनौती से निपटने के लिए कपूर साहब ने 2013 में सिक्योर नाम से सायबर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके तहत 3000 से ज्यादा अफसरों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। यह अपनी तरह का देश का पहला प्रोजेक्ट है। इसमें आम जनता को भी सायबर क्राइम से बचने की ट्रेनिंग दी जा रही है और उन्हें इस चुनौती के लिए अवेयर किया जा रहा है।

निर्मला बेन
अहमदाबाद

मदर टेरेसा से प्रभावित निर्मला बेन ने जिंदगीभर शादी न करके समाज सेवा का संकल्प लिया है। निर्मला बेन समाज के पिछड़े तबके को बराबरी का हक दिलाने के लिए 15 साल से काम कर रही हैं। गरीब बच्चों को बुक्स डोनेट करना, मेडिकल कैंप्स लगवाना, फिजिकली चैलेंज्ड और डिप्रेस्ड लोगों की काउंसलिंग निर्मला जी के मुख्य काम हैं।

कंजर्वेशन एंड एनवायरमेंट

प्रदीप त्रिवेणी
चंडीगढ़

चंडीगढ़ के प्रदीप कुमार त्रिवेणी ने एनवायरमेंट बचाने की शपथ ली है। वो मेडिसिनल प्लांट्स लगाने के पक्षधर हैं। प्रदीप का मानना है कि मेडिसिनल प्लांट्स से एनवायरमेंट तो साफ होता ही है साथ ही इनसे कई दुर्लभ बीमारियों का इलाज भी हो सकता है।

विनोद बिश्नोई
चंडीगढ़

चंडीगढ़ के विनोद बिश्नोई वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन में जुटे हैं। वो जानवरों पर होने वाले अत्याचार या टेस्ट्स के सख्त खिलाफ हैं और इसके खिलाफ सख्त कानून की मांग कर रहे हैं। विनोद ने जानवरों की रक्षा और उनकी जरूरत लोगों को बताने के लिए कई रैलियां भी की हैं।

पब्लिक सर्विस

राकेश रसीला
चंडीगढ़

चंडीगढ़ के राकेश रसीला की वाइफ के ब्रेन ट्यूमर हो गया। पत्नी के इलाज के दौरान उनकी जिंदगी की दिशा बदल गई। राकेश गरीब और जरूरतमंदों की सेवा को हमेशा तैयार रहते हैं। वह उन्हें न केवल आर्थिक मदद देते हैं बल्कि समय समय पर अपना ब्लड भी डोनेट करते रहते हैं।

अनिरुद्ध सक्सेना
जोधपुर

अनिरुद्ध सक्सेना 30 साल बाद अमेरिका से जोधपुर लौटे तो नौजवानों में ड्रग्स की लत देख परेशान हो गए। उन्होंने ऐसे लोगों की जिंदगी सुधारने का संकल्प लिया। अनिरुद्ध करीब 50 हजार लोगों को नशे की लत से छुटकारा दिला चुके हैं। इस के लिए उन्हें रेड एंड वाइट ब्रेवरी अवॉर्ड भी मिल चुका है।

भावेन पटेल
नागपुर

नागपुर के भावेन पटेल नेचुरल या मैन मेड डिजास्टर की सिचुएशन में फरिश्ते की तरह पहुंचते हैं। भावेन 12 साल से रेस्क्यू के काम में जुटे हैं। आपदा में क्या करना चाहिए ये भी वो लोगों को सिखाते हैं। पिछले साल केदारनाथ त्रासदी में भावेन पटेल ने कई लोगों को मौत के मुंह से बचाया था।

आरके मंसूरी
भोपाल

भोपाल के आरके मंसूरी बेमतलब के पुराने नियमों को बदलने के लिए काम कर रहे हैं। मंसूरी की पहल के बाद सरकार ने पोस्टल एनवेलप का साइज चेंज किया और अब वह 100 और 500 के नोट का कलर चेंज कराने की मांग कर रहे हैं क्योंकि अभी ये दोनों नोट सेम दिखते हैं।

वुमन वेलफेयर-एंपावरमेंट

भारती सिंह चौहान
जयपुर

जयपुर की भारती सिंह चौहान 2012 से जागृति नाम का अभियान चला रही हैं। बच्चियों को एजुकेट करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भारती का मेन एम है। उनका मानना है कि अगर भगवान ने उन्हें किसी लायक बनाया है तो क्यों न बच्चों की सेवा की जाए।